

1. Wrestlers protest LIVE: दिल्ली पुलिस ने FIR की एक कॉपी पहलवानों को दी, बृजमूषण इस्तीफा नहीं देने पर अड़े
2. Karnataka: PM मोदी का प्रचार अभियान शुरू, छह दिन में होंगी 22 रैलियां, कर्नाटक चुनाव पर कितना पड़ेगा असर ?
3. UP Nikay Chunav: ...चाहते हो कि कोई आए और कनपटी पर गोली चला कर चला जाए, बस इतना ही तो रह गया, बोले-आजम खां
4. Andhra Pradesh: आंध्र प्रदेश में नौ स्कूली छात्रों ने की आत्महत्या, रिजल्ट जारी होने के 48 घंटे के भीतर दी जान
5. SCO: भारत में ही चीन के समर्थन में खुलकर खड़ा हो गया रूस, त्वाड-AUKUS को बताया ड्रैगन को घेरने का जरिया
6. Corona Alert: पिछले 24 घंटे में आए कोरोना के 7,171 नए केस, 40 की मौत; सक्रिय मरीजों का आंकड़ा 51,000 के पार

7. ...तो चीन ने भी मदद से खींचे हाथ!; पाकिस्तान ने अमेरिका को सामने फेंकाइ डोली, आर्थिक मदद फिर शुरू करने की मांग

"NewsPaper" "NewsPortal" "NewsChannel"

डिटैक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 8 अंक : 289

इंदौर, शनिवार 29 अप्रैल, 2023

पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

केंद्रीय योजना का लाभ भी नहीं मिला

ब्याज और पेनाल्टी के 294 करोड़ वापस करने पड़े

भोपाल। केंद्रीय योजनाओं की राशि समय पर खर्च नहीं कर पाने के कारण, बैंकों में जमा राशि पर जो 272 करोड़ रुपए का ब्याज मिला। वह भी केंद्र सरकार को वापस करना पड़ रहा है। इसके साथ ही 22 करोड़ रुपए की पेनाल्टी अलग से देनी पड़ रही है।



केंद्र सरकार ने विभिन्न योजनाओं में मध्य प्रदेश सरकार को राशि आवंटित की थी। 2021-22 में 622 करोड़ रुपए केंद्र सरकार से मिले थे। इस राशि को सरकार ने 2022-23 में निकाला। जिसके कारण 22 करोड़ रुपए की पेनाल्टी लगी।

मुख्य सचिव ने सभी विभागों को कड़ी चेतावनी दी है, कि केंद्रीय योजनाओं में सतत निगरानी रखें। समय पर फुंटीरिटी सर्टिफिकेट केंद्र को भेजें। बैंकों में अनुमतिवक रहित नहीं रखें जाए। योजना के दौरान स्वल्पम विभाग को जिन योजनाओं में खर्च खर्च नहीं हुई है। उसमें आसपास कार्य, अंततः राशि पेनुअलिटी सिस्टम, नेशनल हेल्प प्रोग्राम के तहत डेब्ट सिस्टम स्ट्रैटिजी से केंद्र से राशि राशि का उपयोग राज्य सरकार नहीं कर चें। इसका

असर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं पर भी पड़ा है। अन्य जनता को इसका लाभ भी नहीं मिल पाया।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग

कुछ इसी तरह की स्थिति पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की भी है। केंद्र की स्वयं के तहत 1796 करोड़ रुपए 17 अक्टूबर 2022 को मिले थे। 192 दिन के बाद यह राशि निकाला गया। विभाग ने 15.53 करोड़ अजब से कम। कुछ राशि हाल स्वल्पम विभाग का भी है। केंद्रीय योजनाओं के तहत 2022-23 में इसे केंद्र से 323 करोड़ रुपए प्राप्त हुए। अभी तक स्वल्पम विभाग इसका उपयोग नहीं कर पाया है। इस पर भी पेनाल्टी

लगाना तय मानी जा रही है।

केंद्रीय योजनाओं का लाभ क्यों नहीं

केंद्र की योजनाओं में राज्य सरकार को भी अपना अंशदान करना पड़ता है। राज्य सरकार समय पर अपना अंशदान नहीं देती है। इसके कारण भी केंद्रीय योजनाओं की राशि या तो बिलंब से प्राप्त होती है। या लेना से जताती है। राज्य सरकार का अंशदान नहीं से पाने के कारण, कुछ सारी योजनाओं का लाभ भी सरकारों को नहीं मिल पा रहा है। राज्य सरकार और उसके विभाग समय पर वित्तीय प्रतिक्रिया नहीं कर पाते हैं। जिसके कारण इसका लाभ सरकारों को नहीं मिल रहा है।

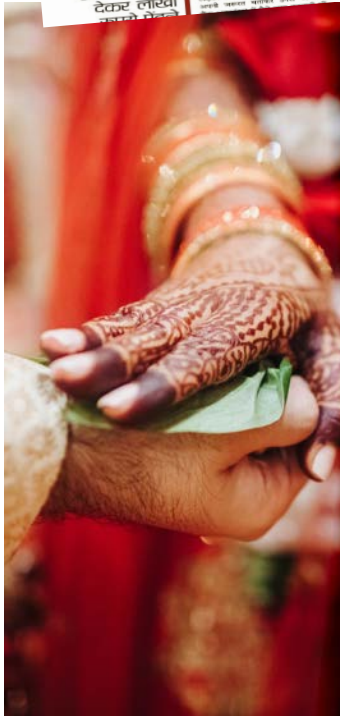
सावधान! आप भी तो नहीं बन रहे

फर्जी मैट्रिमोनियल वेबसाइट्स का शिकार

मध्य प्रदेश साइबर पुलिस ने कुवैत के युवकों को शादी का झांसा देकर लाखों रुपये का धंधा चलाते हुए

ऐसे चलता है ठगी का धंधा

कुवैत के एक निवासी ने एक भारतीय महिला को शादी के लिए धंधा चलाते हुए लाखों रुपये का धंधा चलाते हुए बताया कि वह साइबर पुलिस को सूचना देकर फर्जी मैट्रिमोनियल वेबसाइट्स का शिकार हो चुका है। फर्जी मैट्रिमोनियल वेबसाइट्स का धंधा चलाते हुए फर्जी शादी के झांसा देकर लाखों रुपये का धंधा चलाते हुए बताया कि वह साइबर पुलिस को सूचना देकर फर्जी मैट्रिमोनियल वेबसाइट्स का शिकार हो चुका है। फर्जी मैट्रिमोनियल वेबसाइट्स का धंधा चलाते हुए फर्जी शादी के झांसा देकर लाखों रुपये का धंधा चलाते हुए बताया कि वह साइबर पुलिस को सूचना देकर फर्जी मैट्रिमोनियल वेबसाइट्स का शिकार हो चुका है।



विवाह के बंधन
में बंधने से पहले
एक बार तहकीकात
ज़रूर करवाएँ

लीजिये डिटेक्टिव
की मदद

+91-91110 50101

www.detectivegroup.in

नाबालिग छात्रा से गैंगरेप के दो आरोपियों को 20-20 साल की जेल

● **डिटैलिव वृत्त रिपोर्ट**

भोजपुर। राजधानी भोजपुर के नवयौवक विद्यार्थी पर्यटन स्थल महादेव परती क्षेत्र में नाबालिग छात्रा के साथ गैंगरेप की सार्वजनिक घटना में अदालत ने सुनवाई पूरी होने पर दोनों मुकदमा आरोपियों को दोषी करार देते हुए 20-20 साल की जेल सजा सुनाई। 9 हजार रुपए के अर्बन्धन की सजा सुनाई है। घटना घटित होने के बाद सुनवाई 7 अप्रैल 2019 की गई।

जानकारी के अनुसार भोजपुर की रहने वाली नवयौवक श्रीकौम सेकंड इंटर की छात्रा अपने दोस्त के साथ महादेव से उमरागुरव धारा अंतर्गत स्थित स्किफिंग स्पॉट महादेव परती घुमने गई थीं। छात्रा ने पुलिस को की गई रिश्ताखत में बताया था कि सप्ताह को लोटेले समय वह दुकान में उनसे गेक खिलवा और उन्होंने दोस्त को डग धक्कार कर छात्रा को अपने लगे जाने का कहते हुए जंगल के भीतर ले गए और उसके क्षण समुचित बलकार किया। पुलिस ने आरोपी मखन और शिखरनाथ को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों से समझी से पूछताछ की तो उन्होंने अपना जुर्म स्वीकारते हुए धारदात में दो और सहयोगी के खिलाफ दोनों तलाश पत्र में एक अलग अलग मदन करने की बात कही। जिसके बाद पुलिस ने एक वग से मुकद आरोपी भूषु को फिर अजित शिवाय मुकद घात घाना समरपुर और जिलाधिकारी विद्या लतामण अधिकारी किरासा अंगार चाना वसाहीत विजिला को भी दोषी विजया सुनवाई पूरी होने पर जांचकर्मियों ने भूषु को और जगदीश को 20-20 साल की जेल के साथ ही दोनों आरोपियों पर 90 हजार रुपए का अर्बन्धन भी लगाया है।

प्रदेश में नर्सिंग परीक्षाओं पर रोक रहेगी बरकरार

● **डिटैलिव वृत्त रिपोर्ट**

ग्वालियर। नर्सिंग परीक्षाओं को लेकर शुक्रवार को ग्वालियर हाइकोर्ट की खंडपीठ में अलग सुनवाई हुई। नर्सिंग कालेजों की जांच सीबीआइ को सीमा गई। सीबीआइ अब पट्टे के 375 निम्न कालेजों को जांच करेगी। इस दौरान सीबीआइ ने पूरे में जांच जांच रिपोर्ट भी प्रस्तुत की। इसके अलावा हाइकोर्ट ने सीबीआइ को 2020 से कालेजों के मास्टर्स को जांच करने का आदेश दिया।

24 कालेजों को जांच में तलाश कालेजों में अनियमितताएँ पाई जाइयेंगी। मास्टर्स पर जांच जारी। वहीं जांच में भी कुछ न कुछ अनियमितताएँ मिली हैं। जांच के दौरान पर मान्य देकर नर्सिंग अडिटर/इंफार्मेशन ऑफिसर को भी पकड़कर बतनाया। अभी सुनवाई 12 अप्रैल को होनी जाये 27 अप्रैल 2023 को खंडपीठ ने नर्सिंग परीक्षाओं पर रोक लगाई थी। बीएसएस नर्सिंग, बीएससी फेरेट बीएससी और एम्प्लॉयमेंट नर्सिंग की परीक्षा पर रोक लगाई गई थी। बिक्रमचक्र नर्सिंग/टैलेन्ट डेवेलपमेंट नर्सिंग परीक्षा को रोक रोक 2019-21 के छात्रों को परीक्षा की अनुमति दी थी।

भिंड में लोकायुक्त पुलिस का छापा

बादू ने मांगी एक लाख की रिश्ता, 55 हजार लेते पकड़ा

● **डिटैलिव वृत्त रिपोर्ट**

भिंड। भिंड नगर पालिका में शुक्रवार को दोपहर को लोकायुक्त पुलिस का छापा पड़ा। यहां न्यायप्रेम शाखा में तैनात थाना अवर राजवतल ने न्यायप्रेम फिर जाने के एक लाख की रिश्ता मांगी थी। ये छवि को लेकर आवेकन से 55 हजार की रशि लेते हुए लोकायुक्त पुलिस ने रेशे हाथों पकड़ा है। फरफड़े पर छापा के खिलाफ लोकायुक्त पुलिस कार्रवाई करने में अटूटी है, अभी कुछ लोगों ने लोकायुक्त पुलिस के साथ युद्धवादीको की रोकू हो साथबांधी भी कर दी। मामला विजया देव स्थानकन पुलिस को सुनाई था था। जिस पर कोचवाली थाने देवत पुलिस मौके पर पहुँची। जानकारी के मुताबिक भिंड के रहते रहते विजिन सेन ने लोकायुक्त पुलिस से रिश्ताखत भी की कि नगर पालिका भिंड में पैसे मकान के न्यायप्रेम फिर जाने को अवर अवर किया है। पैसे तैनात करके अवर राजवतल द्वारा एक लाख रुपए को रिश्ता मांगी जा रही है। इन्हें रिश्ताखत पर लोकायुक्त पुलिस ने पहचानी के साथ न्यायप्रेम शाखा के करके को फाड़ कर टुकट टुकट। मामला रिश्ताखत मोठर का मुकदमा लोकायुक्त पुलिस ने आवेकन के साथ निश्चल न्यायप्रेम शाखा के बाबू को टुंग फिर जाने का जवाब दिया।

हिंदू के अब्दुल, मुस्लिम के जमानतदार बने बाबूलाल

सांप्रदायिक सोहराई की अनूठी पहल

ईद के दिन शहर में हुआ था 2 पक्षों में विवाद और पथराव

● **डिटैलिव वृत्त रिपोर्ट**

आर। ईद पर्व के दिन शहर में हुए घटनाक्रम के बाद शुक्रवार को धार में सांप्रदायिक सोहराई की अनूठी पहल दोनों समाजों की ओर से हुई। जिसमें हिंदू व मुस्लिम समाज के लोग एक-दूसरे के जमानतदार बनें। साथ ही तहसीलद्वारा कोंटे के समझ दोनों पक्षों ने अपठायल किया कि दोनों पक्षों को पैसे मिलनी नहीं करनी और शहर का सांप्रदायिक सोहराई भी नहीं बिगड़ना है।

6 घंटे दहशत फैलाने के बाद पकड़ाया तेंदुआ

● **तेंदुआ को देखने छतों पर चढ़े लौ**

● **डिटैलिव वृत्त रिपोर्ट**

सनम। सनम में शुक्रवार सुक्रे लोचें का खलना हुंमने से हुंमने बिदना हुंमने पर पठायल होर एक खाली मिलने में पूरा गया। इसके बाद फोका 6 घंटे की माफकाल के बाद रेकम टैम्यो ने उमे डेकुलेशन कर फका किया। मुकुंदपुर जु की ठीम तेंदुआ को उठकर बाहर लगे। फिर निरंत में सलमकर जु खलवा हो गई। सौरट अफिकरीको का बकर ने कि रिश्ताखे नद दिने में शहर के बाहरी दरवाके में तेंदुआ के पूमने की खबर आई थी। शुक्रवार सुक्रे वद शहर में पूरा आया। शुक्रवारको में पूरे तेंदुआ ने एक मिलनी स्पेस 2 लोचों को धमकल कर दिया। इसके बाद एक खाली पड़े मकन में जा लिया। पथराव के बाद नद रिश्ताखत को ठीम और पुलिस ठीम मौके पर पहुँची। साथ ही मुकुंदपुर जु स्पेकन को भी पुरुचना दी गई। इसके बाद फोका 9 घने जु को ठीम सनम पहुँचने और फोका डेव बने तेंदुआ को फका लिया गया।

पार्षद और उपयंत्री के बीच विवाद, थाने पहुंचा मामला

जिग्म जर्मनौरी देली जिकाल पहुंचे थाने, एफआइआर का रिया आवेकन

● **डिटैलिव वृत्त रिपोर्ट**

सुभा। नगर निगम ऑफिसर उपयंत्री और पार्षद के बीच विवाद का मामला सनम आया है। पार्षद पर आरोप है कि उपयंत्री उपयंत्री को भेजने फकतकर आरोपों का आरोप किया है। यह पथराव के बाद नगर निगम के नयनौरी जिकाल में जा और उपयंत्री कोकालीन से एक लेने निकाली। उपयंत्री ने फकर

कोकलीन में 2 पक्षों के बीच पूमने धमके रहित पूमने की खबर को लेकर बकसुदी हो गई थी। जिसके बाद दोनों पक्ष में पथराव करते हुए पथराव किया था, हालाँकि सनम रहते पुलिस ठीम मौके पर पहुँची व दोनों पक्षों को अलग किया व पथराव को अपठायल भेजा गया।

घटना खले दिन सनम पर अगर पुलिस नहीं पहुँचती तो ईद खले दिन शहर की रिश्ता भी बिगड़ सकती थी। पुलिस ने इन मामले में दोनों पक्षों के झुल 24 लोचों पर बकला रहित पथराव व पथराव को लेकर अग्रण करवा किया था। एमपी के निरंतर पर पुलिस को अलग-अलग ठीमों में महाज कुछ घंटों में ही कुल

13 मुकदमों में अवेद किया था, जिसमें मुस्लिम समाज के 10 मुकद व हिंदू समाज के कुल 3 मुकद शामिल थे।

हिंदू के अब्दुल व मुस्लिम के बाबूलाल जमानतदार बने

पिछले एक सप्ताह से दोनों पक्षों के मुकद जेल में हैं। ऐसे में पहले दोनों पक्षों के लोगों ने आपसी चर्चा करके हुए समझि बनाई। जिसके बाद हाइकोर्ट पर दिनेस राजेश ठोंके के समझ दोनों पक्ष आए और सांप्रदायिक अनूठी मिशाल पर ताले हुए

एक-दूसरे के जमानतदार बने हैं। हाइकोर्ट पर अनुभव मुस्लिम पक्ष के जमानतदार बाबूलाल पिता दोतरवार व हिंदू पक्ष की ओर से अब्दुल रहित पिता मोहाममद खान बने, तहसीली कार्यालय में सैनिकांक करवाई पूरी होने के बाद सभी मुकदमों को जमानत के अवेदर जारी हो गए हैं।

दोनों पक्षों की ओर से अधिपक्षकों रहित मोल्ले के लोगों ने अपठायल किया कि दोनों पक्षों का शहर शहर में सांप्रदायिक सोहराई नहीं बिगड़ना और जो मल्ले चबडें से हुए हैं, उन्हे लेकर उन्हें समझाई जाये।

छत्तीसगढ़ में नक्सली मार रही, मग्न में पुलिस मार रही : नरोत्तम



अब तक हमें भी शरम नहीं को है। दोनों ने कवा बिदोह से आरण-अपठायल को राजनिसिनी करीते तो उन्हे अखिर धरने फूरेन...?

शासकीय कर्मचारियों की हलत पर बाते; चुनावी हता...

वहीं आगरा, उषा कार्यालय, मेरिका, रिकुशा रहित अन्य रिश्ताओं के द्वारा लणकर को जा रही हलत को लेकर उनको कवा चुकानी सार है। ऐसा कहते हैं। हुंमने देला हुआ आर है। सभी हमारे पथराव हैं। सभी को गरी लणकर साथ में नैतया जलया और बीच का मार्ग निकाल जावत।

दवा बाजार में लगी आग, 2 करोड़ का नुकसान

उज्जैन। दवा बाजार के ब्रांडेड फोरे पर विस्था हो पामने में शुक्रवार राहिल आर लपने से हुंमने मच गया। फिर हुंमने को धमकते वणार पर एक बड़े गेदाम में रखा समन जार का रखा हो रहा। आगजनी में 5 गाँवियों ने आग पर कवा पड़ा। दवा बाजार के ब्रांडेड फोरे पर विस्था समनारिधिक को जी-धम नामक दुकान है। श्री सिंगे ने 5 दुकानों को मिला कर एक दुकान में लणकर कर रहा है। शुक्रवार को सुक्रे 7 घने आर लपने की जल्करी घिरेने के बाद दमकने की 5 गाँवियों मौके पर पहुँची। बड़ी मारकाल को आग पर कवा पूरा रहा।

रिटावर्ड फौजी ने खुद को गोली मारी, हालत गंभीर

ग्वालियर। ग्वालियर में एक रिटावर्ड फौजी ने अपने तहसीली रिश्ताखत से खुद को गोली मारी। मौली कवासे से आर-कर हो गा। लणकरुल हालत में उन्हे पाले बिकला गलवाया। फिर सनम अपठायल में जाव गया। रिश्ताखत उपरी बिकला भेजा जा रही है। रिटावर्ड फौजी को भी पत्नी ने एक बंधने पकडे कोकलीन के एक मॉरी के पुजारी पर हो और नउद बंधिनी रहे। फुंकर का ममान दवेन कलया था। इसके बाद से दो वक डिग्रमर में चर रहे हैं।

संपादकीय

संकट के मौकों पर

संकट के ऐसे मौकों पर भारतीयों को सुरक्षित निकालने का भारत सरकार का पुराना रेकॉर्ड रहा है। पहले खाड़ी युद्ध (1990-91) के दौरान एयर इंडिया के विमानों के जरिए 1,60,000 लोग कुवैत से निकाले गए थे। हाल के वर्षों की बात करें तो यमन (2015), अफगानिस्तान (2021) और यूक्रेन (2022) के ऐसे अभियान भी खास चर्चित रहे। बहरहाल, भारतीयों को सूझाने से सुरक्षित निकालना समस्या का सिर्फ एक पहलू है। सूझाने कई वजहों से हमारे लिए काफी अहमियत रखता है। वहां तेल क्षेत्र में भारत के महत्वपूर्ण आर्थिक हित हैं। वह भारत के लिए कच्चे तेल का प्रमुख सप्लायर भी है। ऐसे में अगर वहां जारी सत्ता संघर्ष जल्द काबू में नहीं आया तो यह देश लंबे समय की अस्थिरता में फंस सकता है, जिससे भारत की ऊर्जा सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। प्रत्यक्ष आर्थिक हितों के अलावा भी सूझाने की यह हिंसा भारत के हितों को प्रभावित कर सकती है। अफ्रीका में शांति स्थापित करने के प्रयासों में भारत सक्रिय रूप से शामिल रहा है। ऐसे में यह हिंसा जारी रही तो भारत के उन प्रयासों की सार्थकता पर सवाल खड़े हो सकते हैं। यहीं नहीं, सूझाने की सीमा इंडिया, इंडोपैसिफिक, लीबिया आदि देशों से लगती है। ये देश पहले से ही आंतरिक संघर्षों में उलझे हैं। ऐसे में इस पूरे क्षेत्र में अस्थिरता पैदा हो सकती है, जो किसी के हक में नहीं होगी। जटिल ही कि समय रहते इस संघर्ष को टोकने के प्रयास तेज किए जाएं। सूझाने में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए भारत सरकार ने ऑपरेशन कावेरी शुरु किया है। बताया जा रहा है कि अब तक 500 भारतीयों को सूझाने पहुंच चुके हैं। सूझाने में करीब 4000 भारतीयों फंसे हैं, लेकिन उन्हें वहां से निकालने की शुरुआत को अच्छा कदम माना जा रहा है। भारत सरकार ने आखिर नुक़्तानवार को सूझाने में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए ऑपरेशन कावेरी शुरु कर दिया। हालांकि इस अफ्रीकी देश में सत्ता पर कब्जे के लिए दो परदेपर विद्योधी नेतृत्व गुटों में हिंसा शुरु होने के बाद से ही भारत सरकार वहां भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयासों में लगी हुई थी। हालात इतने जटिल थे कि पर्याप्त ग्राउंड वर्क के बगैर इस तरह का अभियान शुरु नहीं किया जा सकता था। इसलिए जहां विदेश मंत्रालय सभी संबंधित पक्षों से बातचीत कर यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहा था कि भारत सरकार के ऐसे किसी ऑपरेशन को नुक़्तान न पहुंचाया जाए, वहीं सूझाने में फंसे भारतीयों से संपर्क कर उनके हालात की जानकारी लेते हुए उन्हें उचित सलाह भी दी जा रही थी। बहरहाल, ताना सूझानों के मुताबिक करीब 500

तेनालीराम
और लाल मोर

विजयनगर राज्य के राजा थे कृष्णदेव राय, जिन्हें पशुपक्षियों के साथ-साथ अद्भुत और अनोखी चीजों का भी बहुत शौक था। यही कारण था कि मंत्रियों से लेकर दरबारी, हमेशा अनोखी चीजों की खोज में लगे रहते थे। वे उन अनोखी चीजों को देखकर न सिर्फ महाराज को खुश करना चाहते थे, बल्कि उनसे उपहार और पैसे ऐतदान भी उनका मक़सद था।

एक बार को खान है, महाराज का एक दरबारी उनको खुश करने के लिए एक अनोखा लाल रंग का मोर रंगवा करने वाले से रंगवा कर लेकर आया। वह दरबारी उसे यही महाराज के पास ले आया और बोला, 'महाराज मैंने यह अनोखा मोर सध प्रदेक के भले जनों से मंगवाया है।' महाराज ने भी उस मोर को देखा और वो आश्चर्यचकित हो गए। उन्होंने बोला, 'लाल मोर, यह तो सच में बहुत अद्भुत है और यह वास्तव ही कहीं मिल पाएगा। इसे मैं अपने बगीचे में खुद ही संरक्षणात्मक रखवाऊंगा। अच्छा, अब यह बताओ कि इसे मंगाने में तुम्हारे कितने पैसे खर्च हुए?'

दरबारी अपनी बड़ाई सुनकर क्रोधे घुसा हुआ और बोला, 'महाराज आर्थिक लिए यह अनोखा मोर बुनने के लिए मैंने अपने दो लेखकों को लगाया था। वो दोनों पूरे देश की खोज पर निकले हुए थे। कई सालों तक इस अद्भुत चीज को ढूँढते रहे। सचों को खोज के बाद अब ख़ास इन्हें 'लाल रंग का मोर' मिला है। इन सचों में मेरे खर्च 25 हजार रुपये खर्च हुए हैं।'

यह सुनते के बाद राजा ने तुलना कहा, 'दरबारी को 25 हजार रुपये दे दिए जाएं।'

इसके साथ ही राजा ने यह भी कहा कि 'यह तो वो रुपये हैं, जो अपने को खर्च किए हैं। इसके अलावा, एक हज़ारे तक आठे पुरस्कार भी दिए जाएंगे।' यह सुनकर दरबारी खुश हो गया और तेनाली को तफ़्त ख़ास मुक़ददने लगा। उसकी इस मुक़ददत से तेनाली सारी बात समझ गया, लेकिन उसने मौक़े को देखकर चुप रहने की सखी सम्हाली। तेनाली यह भी जानता था कि लाल रंग का मोर कहीं भी नहीं

पाया जाता है। वो समझ चुकत था कि यह दरबारी को कोई खाल है। उन्होंने सो दित तेनाली ने उस रंगवा करने वाले ज्योतिष को बुंद निकरना, कितने मोर को लाल रंग से रंगा था। तेनाली उसके पास थार और लेकर आये उसे रंगवाकर दरबार में ले आया। उसने दरबार में कहा, 'महाराज, इतने दरबारी दोस्त पच्योइ ख़ास में बस एक ही मोर लेकर आए थे, लेकिन मैं पचास हज़ार में उससे भी सुंदर थार मोर लेकर आया हूँ। राजा उन मोर को देखकर आश्चर्य हो गए, ज्योतिष को मोर सच में कल्पने सुंदर और सुख लाल थे। इसके बाद राजा ने तेनाली को पचास हज़ार रुपये देने का आदेश दिया। यह सुनते ही तेनाली ने दरबार में बैठे एक आदमी की तफ़्त इतरा करके पूरे कहा, 'इस इतम का हक़दार मैं नहीं बल्कि यह कलकार है। इसी कलकार ने नीले मोर को लाल रंग में बदला है। कि किसी भी चीज के रंग को बदल सकता है, इसमें यह बदला है। यह सुनते ही महाराज सखुख समझ गए कि दरबारी ने उनके ठगने की कोशिश की है।

राज ने तुलना दरबारी को दिए थार पच्योइ हज़ार लैटने का आदेश दिया और साथ ही पांच हज़ार का जुर्मना भी लगाया। इसके साथ ही उसने कलकार को पुरस्कार भी दिया।

कहानी से सीख

बच्चों, देखा जाए तो यह कहानी में दो सीख हैं। पहली कि कभी भी लालच नहीं करना चाहिए और दूसरी बात कि कभी भी किसी ख़ुशख़बर चीज को देख जल्दबाजी में फैसला नहीं करना चाहिए।

Highlights

1. Wrestlers given copy of 1 FIR against WFI chief: Delhi Police
2. 71-yr-old man falls for 'beautiful girls for enjoyment' message, loses 4.5 lakh in Mumbai
3. US says H-1B visa lottery system resulted in fraud, releases statement
4. Aren't protesting female athletes 'sanskari': Mahua Moitra to BJP
5. Italy restores ChatGPT after OpenAI addresses privacy concerns
6. Bill Gates congratulates PM Modi on 100th episode of 'Mann Ki Baat'
7. Woman dies by suicide as husband stops her from visiting parlour

Who is Byju Raveendran, edtech firm BYJU's co-founder facing ED heat?

NEW DEHI, (Agency). Byju Raveendran, the co-founder of edtech platform BYJU's, is facing heat from the Enforcement Directorate (ED) which searched his three premises over alleged Foreign Exchange Management Act (FEMA) violations. His company Think and Learn Pvt Ltd, which operates under the brand name BYJU's, had been in the news recently when it fired 1,500 employees in February this year. The company had cited cost optimisation and outsourcing of operations.

Here's all you need to know about the edtech co-founder and CEO Byju Raveendran.

1. He is an investor, educator and entrepreneur, having co-founded BYJU's with his wife Divya Gokulnath in 2015. According to Forbes, he and



his family are worth \$3.6 billion (₹2,942 crore)

2. Hailing from Azhikode village in Kerala, Raveendran studied B Tech at the Government College of Engineering in Kannur. After scoring 100 percentile in two successive CAT exams, he quit his job and started a company in 2007 to help CAT aspirants crack

the prestigious entrance exam.

3. In 2011, he and his wife Divya Gokulnath founded Think and Learn Private Limited, four years before launching the main app. Raveendran has a significant stake in Byju's, together with wife Divya Gokulnath and brother Riju Raveendran, Forbes stated.

ViewSonic X2000 is indicative of a more versatile evolution for home projectors

NEW DEHI, (Agency). There's a concerted effort to iron out the complexities of home theatre projectors, with the hope they'd be simpler and fit better in most homes. It has worked, to a certain extent, with ultra-short-throw (or UST) projectors requiring much less space to work with. At the same time, if the ViewSonic X2000 is a harbinger for any sort of sustained trend, they're becoming much smaller in size too. Ideal TV replacements, albeit belatedly? We may be getting there. A tricky balance is being achieved.

The argument for projectors, has been about how you get a much larger projection size for the money you spend. That is, compared with a TV that will remain the size you buy - 43-inches, 55-inches, 65-inches, for instance. The larger the projection size,



potentially higher levels of immersion. The perception of more. Yet, projectors (at least till the UST became more common) required a lot of space and always had struggles with heat and dust. They seem less sensitive now.

The good ones still aren't exactly inexpensive. The ViewSonic X2000 costs around ₹3,99,000 before you may be

able to derive some value from the payment methods such as credit cards. What value you get from this, is perhaps best illustrated by the potential for a 100-inch projection size, when kept around 9-inches from a wall or projection screen. In essence, you can use the same table as your TV, for a much larger viewing experience (how large is your TV? 55-inches? 75-inches?).

New Delhi

Uttarpradesh

5 महिला अफसरों को पहली बार सेना की आर्टिलरी रेजिमेंट में कमीशन, चलाएंगी तोप और रॉकेट

नई दिल्ली, एप्रैली पांच महिला अधिकारियों को पहली बार सेना की आर्टिलरी में कमीशन दिया गया है। भारतीय सेना में पहिले अधिकारियों को आर्टिलरी रेजिमेंट में अग्रणी पद मिलताओं को भूमिका का विस्तार किया है, जो सेना को एक प्रमुख शाखा है। 29 अप्रैल को अग्रिम ट्रेनिंग एकेडमी (OTA) में समस्त प्रशिक्षण के बाद पांच महिला अधिकारी आर्टिलरी रेजिमेंट में शामिल हो गई हैं।



आर्टिलरी इकाइयों में तैनात किया जा रहा है, जहां उन्हें चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में रॉकेट, मॉर्टार, फोड और परिवॉयंस एंड टारगेट एफिक्सिविजन (SATA) और उपकरणों को संभालने के लिए प्रशिक्षण प्रदान करेंगे एम्बरसॉन (मेजर) पांच महिला अधिकारियों में से तीन उत्तरी सीमाओं पर

तैनात इकाइयों में और अन्य दो परिवॉयंस में चुनौतीपूर्ण स्थानों पर तैनात हैं।

आर्टिलरी रेजिमेंट में कमीशन पांच महिला अधिकारियों को अग्रणी पद मिलने के बाद सेना को एक SATA रेजिमेंट में, रॉकेट/फोड शाखाओं और रॉकेट/फोड अग्रणी पदों में और रॉकेट/फोड आकांक्षा को एक रॉकेट रेजिमेंट में कमीशन दिया गया है। इस समयाह में रॉकेट/फोड जनरल अरुण कुमार, कर्नल कर्मादेव और आर्टिलरी के स्पेशलिस्ट (नॉर्म) पहिले वॉरफेड सैन्य अधिकारियों, अन्य गणमान्य व्यक्तियों और न्यू कमीशन अधिकारियों के पहिले परिवार के सदस्यों ने भाग लिया।

Rajasthan

हरिजन बस्ती में सिरफिरे ने युवती पर तलवार से किया जवाबलता हमला, खुद को गोली मारकर की आत्महत्या

जिसौड़ग्रह, एप्रैली विसाठग्रह मिले के निकुंभ थना अंगरत एक राधिका ने युवक को एक युवती पर तलवार से हमला कर खुद को गोली मारकर आत्महत्या की। भीम भाखत युवती को उद्वरुण विकसलधर में उपचार करी है। निकुंभ थनाकी युवती राधिका सोतेकी ने खाला कि युवकका को सुधान मिली कि निकुंभ थना में हरिजन बस्ती में तलवारकाकी को घटना हुई है। जसकौरी होले ही थनाकीको मय जख्मा पर हरिजन बस्ती पहुंचे तो आम सरो पर एक जगह पर बस्ती मय में खुद पड़ा था। जांच में समने अणव कि तलवार वृी केशवरा घटक निवारी हरिजन बस्ती निकुंभ पर अद्वित उके टैनिंग ने युवक से जख्माका घटनाक किता। आठवने अद्वित उके टैनिंग किता गोभंभर लाल हरिजन बस्ती हरिजन बस्ती निकुंभ के एक पीछे के सिर में घाते कर दी। यहाँ, अद्वित ने हमले के बाद को मरे पर ही हनुके से गोली चार ली, जिसने अद्वित मरे पर ही मरे हो के मरे। रक्तले के थालन होने से उसको निकुंभ अस्पताल ले जाया गया, जहाँ से अग्रणीक इलाके के बाद जिला विकसलधर में उद्वरुण विकसलधर के लिए रफ्त कर दिया। घटना के कारणों का पूरा तलाक जा रहा है।

Bihar

नीतीश के मंत्री तेजप्रताप को भाजपा के दी नसीहत... तो इस्लाम धर्म अपना लें, हम सड़क पर उतरेंगे

पटना, एप्रैली बिहार में कांग्रेस धाम सभाका पीछा धर्मि कुग्गु शास्त्री के प्रवक्ता करमचंद को लेकर सियाली बहाल धमने का नाम नहीं ले रहा किना, बयान जारी की वहाक से यह और तेज होला जा रहा है। लालु यादव के कई लाल तेजप्रताप समने सभाका मंगलधरनाके के धकद दार अरजेंडी के नेता पीछा धर्मि कुग्गु शास्त्री को जेल में डालने को बात बक रहे हैं। इस बीच बीजेपी ने भीगी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी के विभाक हारे भूगुण ठाकुर बकौले ने रावद नेताओं को नसीहत दी है। कहा है कि खुदग रोजा इस्लाम करते हैं तो



इस्लाम धर्म कबूल कर लें। 'घोसलानी भी दी है कि अगर बहानेपर सभाका का डिविड उठाते लोने भी समान में सड़क पर उतरेंगे। बिहार की राजकनीति घटम में 13 मरे से 17 मरे तक बहानेपर धाम सभाका के पहिले

पैठकौधर पीछा धर्मि कुग्गु शास्त्री का प्रवक्ता करमचंद होने वाला है। 5 टिके तक धर्मि कुग्गु शास्त्री दुग्गुन काल करी। इस्लाम पैठक 12 मरे को जेल बहाल यात्रा का भी आरंभक होला। तेज प्रताप बिहार में सियाली बहाल बकौले हैं। धर्मि कुग्गु शास्त्री को घोरणा के सभा हो नींदीर सस्तर के कमीशन उठाए यावले ने डिविड करके का बयान दिया उन्होंने कहा कि धर्मि शास्त्री अगर बिहार में हिंदू मुस्लिम के बीच किस्मत फल करने आ रहे हैं तो उन्हें एयरपोर्ट पर ही रफ्त किया जाएगा। उनके करमचंद का निवेदन होगा।

खेल

स्टाइनिस-मेयर्स की बढौलत लखनऊने IPL का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाया, पंजाब को 56 रन से दी शिकस्त

मोहाली। आईपीएल 2023 के 38वें मैच में पंजाब क्रिकेट सुपर जाइंट्स ने पंजाब किंग्स को 56 रन से हरा दिया है। टी20 हासक पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ ने 20 ओवरों में पांच विकेट गंवाकर 257 रन बनाए। मास्कन स्टडीनिंस ने 40 गेंदों में 72 रन और काइल मेयर्स ने 24 गेंदों में 54 रन की पारी खेली। जहाब में पंजाब क्रिकिंग की टीम 19.5 ओवर में 201 रन पर सिमट गई। अर्धशतक तारवे ने 36 गेंदों में 66 रन की पारी खेली। इस्लाम बहाक कोइ बल्लेबाज 40+ स्कोर नहीं बना सका। यश ठाकुर ने चार और यवीन उता हक ने तीन विकेट लिए।

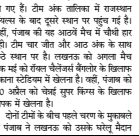
द्वि जीके के साथ लखनऊ के आठ मैचों में पांच जीके और तीन हक के साथ 10 अंक हो गए हैं। टीम अंक तालिका में राजसमरन के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। यहाँ, पंजाब को यह आठवें मैच में चौथी हार दी। टीम चार जीके और आठ अंक के साथ छठे स्थान पर है। लखनऊ को अग्रण भी एक मरे को रोकन प्लेसमेंट कैबिनेट के खिलाफ इस्लाम स्टडीनिंस ने खेलना है। यहाँ, पंजाब को 30 अंकों को रोकन पूरा सिंस के खिलाफ चेकम में खेलना है।

रोनेटों के बीच पांच तरफ के मुकामले में पंजाब ने लखनऊ को उसके पोर्टू मैदान में दो विकेट से हराया था। यह सिस्टंटर रजा ने 57 रन की पारी खेली थी और एक विकेट भी लिया था। लखनू ने अपनी पुरानी टीम से इसी हक का बदला ले लिया। दोनों टीमों के बीच

अस तक कुल तीन मैच खेले गए हैं। इनमें से लखनऊ ने दो मैच और पंजाब की टीम को एक मैच में जीत लिया है।

पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ ने 20 ओवरों में पांच विकेट गंवाकर 257 रन बनाए थे। यह आरपीएल इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा टोटल था। यहाँ, आरपीएल इतिहास में सिके दूसरी बहा 250+ का स्कोर बना। आरपीएल में सारा कई स्कोर पर लखिई रीकल प्लेसमेंट कैबिनेट के नाम है। इनमें 2013 में येल्लुपू में पुणे बॉलिंग के खिलाफ

गंवाकर 248 रन बनाए थे। यहाँ, यह लखनऊ का सबसे बड़ा टोटल भी था। मोहलानी में भी यह आरपीएल का सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले सबसे बुरा निंसम 2008 में पंजाब के खिलाफ मोहलानी में 20 ओवर में पांच विकेट गंवाकर 240 रन बनाए थे। यह इस सीजन के पांचवें सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले चेन्नई ने 2011 में अपने सीजन डेन गार्डन में मोहलानी के खिलाफ 20 ओवर में चार विकेट गंवाकर 235 रन बनाए थे।



लखनऊ ने पंजाब क्रिकेट सुपर जाइंट्स को 56 रन से हरा दिया है।

शनिमा

गॉशराम में जाकर लंच करती थीं फ्रियका चोपड़ा, बाली- नॉन अमेरिकन जैसा फील होता था



बॉलीवुड एक्ट्रेस रिंका चोपड़ा ने बताया कि जब वह USA रिफ्ट हुई तो वहां पर वो बॉलराम में जाकर लंच किया करती थीं। रिंका चोपड़ा ने बताया कि वह बहुत सख्त होती थीं और उन्हें समझ में नहीं आता था कि कैसे वो एक कैपेटिवना जाकर लंच लेतीं। यहीं दिशुक उन्ने बॉलराम में जाकर लंच करने को बहाक बन गईं। रिंका चोपड़ा ने बॉलराम में बॉलराम नरू कॉमिशन बहाल किया है। लंचे बहाक तक हिंदी सिनेमा के दरवांको छोड़ने करने के बाद वह लॉरेडुड चली गईं और अग्रीको प्रोड्यूसर पर फोकस कर रही हैं।

कैसे वह बॉलराम में जाकर लंच लेतीं, लेकिन हमारे से ऐसा नहीं था। रिंका चोपड़ा ने हाल ही में Today Show में उन बहाक के बारे में बताया था वह टैनेजर थीं और पहली बार पहुंचे के लिए अमेरिका गईं थीं। रिंका चोपड़ा ने हम हाल ही में कॉन्फिडेंस नहीं था कि हमको साथ बैककर लंच कर पाए। विदेशियों के बीच वह खुद को बहुत डउनकी फील करती थीं। PC ने बताया कि कैसे शुरूआती कुछ हमको लखनऊ बहुत प्यारक रहे थे। कैसे वह भीर-भीर डेन और डिहाक से बहाक आते हैं और यहीं किता लंच करतीं। रिंका चोपड़ा ने कहा, 'मैं अपना जन्म लंचे स्टल में बॉलराम के अंदर किता करती थीं, बॉली में बहुत जगह लंचे फील करती थीं। मुझे नहीं पता था कि कैसे कैपेटिवना जाकर लंच ले लंच चुं, मैं एक ऑनली फायर से फेकर्स छुटने देती थीं।' मैं बॉलराम जाती हूँ, जहाँ-जहाँ जाती हूँ, और फिर स्टार्टड बालराम के लिए जाती जाती हूँ, इससे मुझे किसी को फेर ही नहीं करके पहुंच जाती हूँ।

तेज रफ्तार कार पेड़ में घुसी, टकराते ही लगी आग, दास्त घायल



● डिटैक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

द्विंदर। स्टार चौक के पास शुक्रवार रात हादसा हो गया। तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पेड़ में जा घुसी। पेड़ से टकराते ही कार में आग लग गई। कार में चार दोस्त सवार थे, जो घमघम पर बाहर निकल गए। हालांकि, कार के पेड़ से टकराने से सभी घायल हो गए हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार, कार क्रमिक एम्पैच 9 जेडसी 9087 तेज रफ्तार में आ रही थी। इस दौरान दुस्तर कार में निर्माण मंत्री चक्र पाव और चार पेड़ में जा घुसी। पेड़ से टकराते ही उड़ते हुए आग लगी। आग में पूरी कार धाक हो गई। हालांकि, सभी रातों उठते सवार चार दोस्त कार से निकल गए थे। लोगों ने फायर कार लेकर को अस्पताल पहुंचाया। मामले में पुलिस जांच कर रही है।

सिखों ने रुका, बन गया लुटेरे का शिकार

द्विंदर। मनीष रिजत जन्मद सिवारी निवासी टैक्सीमें नगर ने पुलिस को बताया कि वह मॉडरनाइज्ड से सिविलियनस बेरोह से जा रहा था तभी एक टुकड़ में सिख मर्दाने ने उसने गाड़ी रोकने से टुकड़ में बाजू दिखाया और मोबाइल फोन और ड्राइ रफ्तार रुकवा लेना गाड़ी को खाली होने पर चलने हो गया। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रणाली दर्ज किया है।

रफ्तार पर भी बाराक-सूट की एक अन्य घायल सुट्टेन बनने से हुए। परिचित लम्बना सिद्धा सिवारी बीकानेर मुद्रास्थि बो को इलेक्ट्रॉनिक मॉडरना के पास बहाक रफ्तार दो बंदगानों में रोका और बहाक दिक्कत मोबाइल फोन और 1945 स्प्रे एंजन कार को फहरा हो गए। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।



प्रताप जयंती पर निकलेगी शौर्य यात्रा

● डिटैक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

द्विंदर। अखिल भारतीय बहिष्कृत महासम्मेल द्विंदर एवं सर्व राजस्थान संगठन के संस्थापक में 22 मई को महाराणा प्रताप जयंती मनाई जायेगी। इस विषय पर कैड अखिली लेटरल में सभी संगठनों को मीडिया आर्गनाइज को मां भेजी। सभी संगठनों ने मिलकर 22 मई को शौर्य यात्रा में सम्मिलित होकर ऐसे संस्कार बताने पर जोर दिया और तय किया गया कि सभी मिलकर इस यात्रा को सफल बनायें।

लाखों की धोखाधड़ी में तीन पकड़ाए

आर्टिकल्ट के नकली अफसर बन सत्रा एवं जूमाने का डर बताकर एंठे से रुपए

● डिटैक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

द्विंदर। जूमाने रुपए की धोखाधड़ी के मामले में अग्रिम जांच की टीम ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार में लिया है। आरोपियों ने इंटरिगर आर्टिकल्ट के साथ नकली अफसर बनकर उसे सत्रा एवं जूमाने का डर बताकर लाखों रुपए की धोखाधड़ी की थी।

अग्रिम जांच को अद्विग्न वाट ने सिक्कल करने हुए बताया कि उनका सुभाष डींरिगर आर्टिकल्ट के नाम से नवनीत दर्शन विलिंग ओड पनासिग मिश्र अफिस में इंटरिगर आर्टिकल्ट का अफिसर था जहां पर ओबेरा नाम का आरोपी, परीचदी की साइट पर पीओबी लगाने का नकल करता था। ओबेरा ने परीचदी से कहा कि तुम्हारे विरुद्ध आर्टिकल्ट ऑफ कॉन्सिग बिजना में सिक्कल को गई है, जिसका मिश्र चेक करने को कहा गया।

फर्जी मत के जरिए धमकाया

अरोपियों ने फर्जी मत के माध्यम से परीचदी को कहा कि तुमने अपनी कंपनी के

नाम के अरो आर्टिकल्ट बिजना है जो बनूनी से रुपए है। इस मामले से वह डर गया और ओबेरा से संपर्क कर मत के बिलाने की बात कही तो ओबेरा ने फर्जी तरीके से डर डेलाते हुए आर्टिकल्ट अफिस कॉन्सिग बिजना में अफिसर ने परीचदा होना बहाकर मिलाने और सम्पत्ता को खराब बनाने का कहा।

दोस्त को बनाया नकली आफिसर

डक्कर परीचदी आरोपी ओबेरा की गाड़ी में आ गया जिसका फनाव डरते हुए आरोपी ओबेरा ने सी-21 वाले के पीछे अपने सभी आरोपी रहनीले को आर्टिकल्ट ऑफ कॉन्सिग बिजना का अफिसर सिद्धार्थ नाम बहाकर बनूनी कार्यवाही में 7 साल की जेल एवं 12 लाख रु का जुमाने लेने डर बहाकर डरते हुए थोड़े थोड़े सम्पत्ता में पैसे बसुलाना शुरू कर दिया।

अन्व तरीकों से भी वसुले रुपए

थोड़े दिन बाद सिद्धार्थ ने गवर्नमेंट

केकडवा विमान एवं सर्टिफिकेट बनाने सहित कई तरह के डूट बहाकर विमान सेही सारी आरोपी भागूनी नाम को पलातक के साथ मिलकर आरोपी का से पैसे बसुलाना शुरू कर दिया। उसके बाद तीनों आरोपियों ने परीचदा को सारवाही बसुल में रिपॉरिंग टैडर एवं मेडो स्टेशन बनाने का टैडर में पंडेटर शामिल करने के नाम से पैसे प्राप्त कर करीब दो लाख रुपए से तिगर और न दो कोई करव दिना, न ही पैसे बहाकर निर।

वह आरोपी आ

गिरफ्तार में

अग्रिम जांच ने आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी सहित अन्य नाम में केस दर्ज करते हुए आरोपियों को तकनीकी जानकारी निक्कली और आरोपी मे.रा.निली निवासी खजानग, ओबेरा अली फिवाले खजानग, एवं भागूनी जाबन, द्विंदर को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी है। उनसे ये भी पूछागया कि जो रही है कि अभी तक इस प्रकार कितने लोगों से धोखाधड़ी की।

पुलिसकर्मी बनकर लूटने वाला बदमाश पकड़ाया

● डिटैक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

द्विंदर। एमजी रोड पुलिस ने एक बदमाश को पकड़ा है। उसने अपने सवारी के साथ मिलकर नकली पुलिस बहाकर सड़क के बहाने एक कारवाही के साथ लुचपाट करी बारात की थी।

पुलिस के मुताबिक 23 मार्च को रात को बहाक से जाले खमय धमोडर नाम के युवाक को बहाक रफ्तार दो बंदगानों में रोका, जिसके बाद दोनों ने पैकिंग के नाम पर उसके रुपए लूट लिए थे। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया। परीचदी ने बहाक के नंबर देकर निर। जिसके बाद रुपए ले जाने पर परमाणी रोड पुलिस को मामले की रिक्कल की। पुलिस ने बहाक नंबर के आधार पर जन्मरानी निक्कलवाई। जिसमें नीरज गुप्ते नाम के बंदगारा की पहचान हुई। उसके आधारक रिवाइ है। पुलिस ने पुक्कल को आरोपी को कोर्ट में पेश किया। यहां उसे उनका एक दिन का रिवांभ मिला है। नीरज के साथी के बारे में पुक्कल को जा रही है।

वाहन चोर गिरोह पकड़ाया, पांच गाड़ियां बरामद

● डिटैक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

द्विंदर। रहर में बहाक से अज्ञात चोरों की बरातों को अंजाम देने वाले बंदगारों के गिरोह को पुलिस ने निक्कल किया है। आरोपियों के पास से चोरी के पांच वाहन भी बरामद किए गए। फरार बंदगी रहिनकर चौकीला ने बहाक की मुक्कल से सूचना प्राप्त हुई थी। कि बहिष्कृत गिरोह डंड के पीछे जाली में चोरी की बंदगारकितने बचने की निक्कल में पूरा रहे हैं। पुलिस द्वारा रोकने के आधार पर सारी गाड़ी में पुलिस को सवाक बहाक पर दर्जित थे जैसे से बंदगारों को पकड़ा गया। पुक्कल करने पर बंदगारों ने अपने नाम निरिड निर समरिनी चौकन (20) निवासी अलीखतुर,सरदार बहाक निर (20) निवासी अलीखतुर, मुंरि उरतार निर गुलन अली (20) निवासी बरगुन, म्कडमोड निर जो निक्कल भर बहाक। बंदगारों से चोरी की पांच बंदगारकितने बरामद की गई हैं।

शातिर चोर से लाखों का माल बरामद

● डिटैक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

द्विंदर। अग्रिम जांच ने राशिचर चोर को निक्कल कर चोरी का लताओं रुपए का माल बरामद किया है। अग्रिम जांच की टीम को मुक्कल से सूचना मिली थी कि एक बंदगारा निक्कलनर क्षेत्र में पर में पुक्कल चोरी को बरातों को अंजाम देने के उरतार चुरार आभाण को सवरे बेचने के लिखे पूरा रहा है। इस पर टीम ने निक्कलनर क्षेत्र के सवरे म्कडम 140 में निरत पर में पुक्कल खेने गाड़ी के आभाण चोरी को बरातों को अंजाम दिया था। आरोपी से 2 लेने की अंरुटी, 3 सोने की नाक के कटि, एक खेने का निक्कल, एक सोने को बानी, पांच जोड चोरी के पापजोड, दो चोरी के मुक्के पांच जोड चोरी की बहिष्कृत बरामद की गई है। पुलिस अन्य बरातों के बारे में पुक्कल कर रही है।

BOI
में हथौड़ी के दम पर सूट की कंग्रिश...

दैनिक समाचार पत्र/ब्यूज़ पोर्टल/ब्यूज़ चैनल

Daily Newspaper
www.dgr.co.in

Worldwide News portal
www.detectivegroupreport.com

Worldwide Youtube channel
https://youtube.com/CDTECTIVEGROUPREPORT

समाचार, विज्ञापन और समूह से जुड़ने के लिए संपर्क करें

+91 91110 30505

Email: dgrnewsnetwork@gmail.com